# क्षेत्रीय दलों का नेतृत्व व्यक्तिगत हो गया है : सुहास पल्शिकर

**ब्यूरो/ नवज्योति, जयपुर।** सीएसडीएस के सह निदेशक प्रो.सुहास पल्शिकर ने कहा है कि क्षेत्रीय दलों को लोकतंत्रीकरण, संघवाद और राष्ट्रीय-क्षेत्रीय विविधता को मजबूत करने का काम करना चाहिए, लेकिन अधिकांश क्षेत्रीय दल इन मुद्दों पर मौन हैं। पल्शिकर बुधवार को 'भारत में क्षेत्रीय राजनीतिक दलों का उद्भव, स्वस्थ लोकतंत्र की ओर एक कदम' विषय पर दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी को विकास अध्ययन संस्थान में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बड़े नेताओं के अभाव में अधिकांश क्षेत्रीय दलों का नेतृत्व व्यक्तिगत हो गया है। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंघान परिषद के सचिव प्रो.धनन्जय कुमार ने कहा कि भारतीय राजनीति में क्षेत्रीय दलों का बड़ा महत्व रहा हैं। विकास अध्ययन केन्द्र के निदेशक प्रो.विनीश कथूरिया ने स्वागत भाषण देते हुए संस्थान के कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रो.अरुण चतुर्वेदी ने समापन सत्र को सम्बोधित किया। अध्यक्षता संस्थान अध्यक्ष डॉ.अरविन्द मायाराम ने की। डॉ.मोतीलाल महामल्लिक ने धन्यवाद ज्ञापित किया।